

आर्षभी पुं. (तत्.) केवाँच या कपिकच्छु नामक लता, इसके चूर्ण के स्पर्श से त्वचा में खुजली होने लगती है।

आर्षविवाह पुं. (तत्.) मनु के अनुसार आठ प्रकार के विवाहों में से एक जिसमें कन्या का पिता वर से शुल्क के रूप में दो बैल लेकर उसे कन्या देता है।

आर्षेय पुं. (तत्.) 1. ऋषियों से संबंधित 2. श्रेष्ठ, आदरणीय 2. ऋषिकर्म (पठन-पाठन आदि-संबंधी)।

आर्सीन स्त्री. (अं.) रसा. रंग हीन और अतिविषैली गैस।

आर्हत वि. (तत्.) 1. जैन सिद्धांतों से संबंधित 2. जैन मत का अनुयायी पुं. जैन व्यक्ति।

आलंकारिक वि. (तत्.) 1. अलंकार युक्त 2. अलंकार-संबंधी 3. अलंकार शास्त्र (साहित्य शास्त्र का) वेत्ता।

आलंकारिक अर्थ पुं. (तत्.) शब्द अथवा वाक्य का अभिधागत अर्थ से भिन्न अर्थ, प्रचलित अर्थ से भिन्न लाक्षणिक अर्थ, व्यंग्यार्थ।

आलंकारिक स्वर पुं. (तत्.) संगीत में वह स्वर जो मुख्य स्वर को रंजित करे और गायन अथवा वादन अधिक आकर्षक बने।

आलंकारिता स्त्री. (तत्.) अभिव्यक्ति का आकर्षक होने का गुण, काव्य में अलंकार का गुण।

आलंटन पुं. (तत्.) 1. लूटना, बलात् छीन लेना 2. अपहरण करना।

आलंब पुं. (तत्.) आश्रय, सहारा, अवलंब, टेक।

आलंबन पुं. (तत्.) 1. सहारा, आश्रय, अवलंबन 2. साहि. रस निष्पत्ति में सहायक एक विभाव जिस पर रस आलंबित होता है जैसे- शृंगार रस में नायक और नायिका आलंबन विभाव कहे जाते हैं।

आलंबनता स्त्री. (तत्.) 1. आलंबन का गुण, स्वभाव या धर्म 2. आश्रयित्व।

आलंबन विभाव पुं. (तत्.) विभाव का एक भेद जिस पर भाव या रस अवलंबित होता है। दे. विभाव/आलंबन।

आलंबित पुं. (तत्.) आश्रित, सहारे पर टिका हुआ, अवलंबित।

आलंबी वि. (तत्.) किसी का सहारा या आलंब लेनेवाला।

आलंभ पुं. (तत्.) 1. छूना 2. मिलना 3. पकड़ना 4 उखाड़ना 5. मरण 6. वध 7. हिंसा।

आलंभन पुं. (तत्.) दे. आलंभ।

आल पुं. (तत्.) 1. हरताल 2. छल 3. विषैले जंतुओं के शरीर से होनेवाला विष का स्राव 4. गीलापन, तरी 5. झंझट 6. एक प्रकार का कंटीला पौधा 7. स्याह काँटा, किंगराई 8. मछली के अंडों का समूह 9. पीला संख्या 10. माहू 11. गांव का एक हिस्सा स्त्री. (देश.) 1. प्याज का हरा डंठल 2. कद्दू (अर.) 1. संतति 2. बेटी की संतान 3. वंशज वि. (तत्.) 1. बड़ा 2. विस्तृत 3. अधिक स्त्री. (तत्.) 1. एक पौधा जिस की छाल और जड़ से लाल रंग बनाया जाता है 2. उक्त पौधे से प्राप्त लाल रंग।

आलकस पुं. (तद्.) दे. आलस्य।

आलक्षण पुं. (तत्.) परीक्षण, देखना, समझना।

आलक्षित वि. (तत्.) भली-भाँति देखा और समझा हुआ, अनुभव किया हुआ।

आलक्ष्य वि. (तत्.) 1. दिखाई पड़ने लायक, प्रकट 2. जो कुछ-कुछ दिखाई पड़े।

आलगर्द पुं. (तत्.) जल में रहनेवाला एक साँप।

आलजाल पुं. (देश.) ऊटपटाँग, ऊल-जलूल।

आलता पुं. (देश.) 1. विशेष वृक्षों की छाल से बनाया गया लाल रंग 2. लाख का रंग 3. शृंगार के लिए, स्त्रियों द्वारा पैरों पर लगाया जाने वाला लाल रंग।

आलथी-पालथी स्त्री. (देश.) दाहिनी एड़ी बाईं और बाईं एड़ी दाहिनी जाँघ के नीचे या ऊपर रखकर बैठने की मुद्रा।